to the tune of 30,000 tonnes which is being imported from the different countries, as I have already said. On the question of departmental connivance, I am not sure what exactly the hon. Member feels. If he gives me some information, certainly I will go into it. I am prepared to discuss it with him if he has something up his sleeve.

MR. CHAIRMAN: I will tell you. The hon. Member has alleged that there is connivance between the Department and the tyre manufacturers to suppress the price by importing.

SHRI P. SHIV SHANKER: No, no, that is not the correct approach. But if he has any further information, I am prepared to discuss it with him.

MR. CHAIRMAN: Next question.

Export of iron ore procured from Daitari-Tomka sector in Orissa

*229. SHRI JAGADISH JANI: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government have taken any steps to step up of iron ore procured from Daitari-Tomka sector in Orissa; and

(b) if so, what was the total quantum of iron ore procured Daitari-Tomka sector for export during the last three years?

THE MINISTER OF COMMERCE AND FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI P. SHIV SHANKER): (a) Yes, Sir.

(b) The total quantity of iron ore procured for export from this sector during the last 3 years was 1.30 lakh tonnes in 1982-83, 0.53 lakh tonnes in 1983-84 and 2.55 lakh tonnes in 1984-85.

MR. CHAIRMAN: Yes, Mr. Jani. You can put it in Oriya.

SHRI P. SHIV SHANKER: I don't know Oriya.

MR. CHAIRMAN: You will get the translation.

*SHRI JAGADISH JANI: Mr. Chairman, Sir, I would like to know from the hon. Minister if efforts have been made by him to make further increase in the procurement of iron ore for export from Daitari-Tomka sector. If so, the total tonnes of iron ore expected to be procured from that sector by the end of 1985-86 financial year and the details of the steps taken in this regard?

SHRI P. SHIV SHANKER: Sir, the procurement depends on the export capacity of Paradip port. And today the capacity of Paradip port to export is lesser. We are making efforts to increase the capacity there, and it is on that basis that we will go ahead with the export based on production.

*SHRI JAGADISH JANI: Whether efforts have been made to increase the export of iron ore from the iron ore mines in the country in general and Orissa in particular. If so, the total quantum of iron ore procured from Banspani-Barbil sector and Gandhamadon sector in Orissa during the last three years.

SHRI P. SHIV SHANKER: So fas as effort to increase export of iron ore is concerned, I may submit that it is a case where in spite of the fact that there had been certain problems in regard to demand in the international market, the export is sought to be kept up in order to see that we get proper foreign exchange. The hon. Member has asked a question with reference to two sectors in Orissa. I do not have any figures with reference to that.

श्री चतुरानन मिश्र : मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि जापान को जिस दर में हम लोग निर्यात करते हैं आइरन ओर तो क्या यह सच है कि देश के भीतर जो स्टील प्लांट हैं उनको जो निर्यात किया जाता है वह उससे बहुत ज्यादा कीमत का है यानी जापान को जो निर्यात करते हैं वह देश में जो बेचते हैं उसमें 25 से 30 परसेंट कम कीमत पर देते हैं ?

*English translation of the question put in Oriya.

श्री पी० शिवशंकर : ऐसी बात तो नहीं है । मैं एक बात इससे पहले भी कह चुका हूं, कुछ दिन पहले अखबारों में यह बड़ी कन्ट्रोवर्सी आई थी इसलिए मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि गत वर्ष 10 मिलियन टन का निर्यात हुआ था। यह कुद्रेमुख का जो लोहा है उससे हट कर दूसरे भागों से इस वर्ष हमारा जो उनसे कांट्रेक्ट हुआ है उसके हिसाब से 10.5 मिलियन टन सिर्फ कुद्रेमुख से हट कर और कुद्रामुख से 1.5 मिलियन टन से 2.5 मिलियन टन तक यानी 13 मिलियन टन तक इस वर्ष जापान के साथ निर्यात करने का निर्णय हुआ है । जहां तक कीमत की कमी का सवाल है हमारे पास जो लोहा है वह 62 से लेकर 65 परसेंट जो फैरस नेटल है, वह करीब 19 डालर पर टन निर्यात हो सकता है । इसमें कुद्रेमुख के लोहे से हट कर जो दूसरा लोहा है जिसके निर्यात के लिये इस वर्ष के लिए कांट्रेक्ट है उसमें 4.91 परसेंट की कीमत कम की गई है। इसके भिन्नभिन्न कारण हैं । एक तो यह है कि जापान में आजकल मार्किट से बड़ी मुश्किल हो गई है। जहां 106 मिलियन टन लोहा जापान निर्यात करता था इस वर्ष वह कम करके 96 मिलियन टन तक करता है । क्योंकि हमें वहां की मार्किट कम्पीट करनी थी इसलिए थोड़ा कम करके हमने लोहे की खनिज को निर्यात करने का प्रयास किया है । हमारे देश का जो लोहा है, हमारे देश में जो पैदा होता है उसकी ज्यादातर खपत हमारे यहां ही हो जाती है वह उसी कीमत पर दिया जाता है और बाहर से जो मंगाया जाता है वह इन्टरनेशनल रेट पर मंगाया जाता है ।

SHRI KAPIL VERMA: Sir, the honourable Minister was talking about Paradip Port. We have recently seen reports in the newspapers that because of some obstacle—a big vessel is still sunk there—it is not fully operational and cannot take big vessels. Is it correct and has the Government been able to clear it?

SHRI P. SHIV SHANKER: Yes, Sir. In Paradip second dredger has been sunk as a result of which exports from that Port have been affected. We have been making hectic efforts to see that the dredger is removed.

बिक्री कर के प्रतिस्थापन संबंधी त्रिपाठी समिति

†*230. **श्री लाल कृष्ण आडवाणी :**
श्री अश्विनी कुमार :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिक्री कर के स्थान पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगाने के संबंध में त्रिपाठी समिति के प्रस्तावों का सार क्या है;

(ख) राज्यों के वित्तीय हितों की रक्षा करने के लिए सुझाए गए उपबंधों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) बिक्रीकर समाप्त करने के बारे में प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के क्या विचार हैं और उनमें से प्रत्येक ने इस दिशा में क्या कार्यवाही की है ?

वित्त मंत्री (श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह) : (क) से (ग) सभा पटल पर एक विवरण रखा गया है ।

विवरण

(क) तथा (ख) संक्षेप में त्रिपाठी समिति की सिफारिशों की मुख्य-मुख्य बातें निम्नलिखित हैं ।

(i) केन्द्र द्वारा तीन जिन्सों अर्थात वनस्पति, औषध-द्रव्यों तथा दवाइयों और कागज तथा गत्ते पर अतिरिक्त उत्पादन शुल्क के रूप में प्रतिवर्ष वसूल की जाने वाली रकम, आधार वर्ष 1981-82 के लिए बिक्री कर की संभावित वृद्धि दर के आधार पर उस

†सभा में यह प्रश्न श्री लाल कृष्ण आडवाणी द्वारा पूछा गया ।